

लोहमल, मंडूर 3. तराजू की डंडी के ऊपर का कांटा या सुई 4. कांच का बर्तन 5. दाढ़ी 6. फूला हुआ अंडकोश 7. लोहे का जंग 8. पपड़ी, झाग।

**शिंघित** वि. (तत्.) सूंघा हुआ, आघात।

**शिंजन** पुं. (तत्.) 1. आभूषणों की झंकार, रुनझुन की आवाज 2. धातु खण्डों के आपस में टकराने या बजने की ध्वनि।

**शिंजा** पुं. (तत्.) 1. आभूषणों का शब्द, रुनझुन ध्वनि 2. धनुष की प्रत्यंचा, डोरी।

**शिंजित** वि. (तत्.) 1. रुनझुन शब्द करता हुआ, झनझनाता हुआ 2. बजता हुआ, शब्द करता हुआ।

**शिंजिनी** स्त्री. (तत्.) 1. धनुष की डोरी, प्रत्यंचा 2. पायजेब 3. नूपुर, घुंघरू 3. करधनी, नूपुर आदि के घुंघरू।

**शिंजी** वि. (तत्.) 1. शब्द करने वाला, बजने वाला 2. अलंकारों की झंकार से युक्त, मधुर रुनझुन की ध्वनि करने वाला।

**शिंबा** स्त्री. (तत्.) 1. फली, छीमी 2. सेम 3. शिंबी धान्य।

**शिंबि/शिंबी** स्त्री. (तत्.) 1. छीमी, फली, बौड़ी 2. सेम 3. केवांच, कौँछ 4. बन मूंगा।

**शिंबिका** स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार की फली, सेम 2. काली उडद की दाल।

**शिंबिनी** स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार का पक्षी, श्यामा पक्षी 2. एक प्रकार की फली, सेम।

**शिंबी** स्त्री. (तत्.) 1. दो दाल वाला अन्न, द्विदलान्न 2. सेम, छेम, केवाँच।

**शिविक** पुं. (तत्.) एक प्रकार की दाल, काली मूँग, एक खाद्य पदार्थ।

**शिशपा** स्त्री. (तत्.) 1. छोटा वृक्ष 2. शीशम का वृक्ष 3. अशोक वृक्ष।

**शिशु** पुं. (तत्.) एक प्रकार का फलदार वृक्ष।

**शिशुपा** स्त्री. (तत्.) दे. शिशपा।

**शिशुमार** पुं. (तत्.) 1. एक जल-जीव, सूँस, चार-पाँच हाथ लम्बा और शक्तिशाली जल-जीव 2. सूँस की आकृति का तारामंडल।

**शिकंज** स्त्री. (फा.) 1. माथे का बल, शिकन, झुरी 2. सिकुड़न सिलवट 3. चुटकी।

**शिकंजवीन** स्त्री. (फा.) 1. नींबू के रस का शरबत, सिकंजबीन, शिकंजी, शिकंजबीन 2. सिरके से बना हुआ शरबत।

**शिकंजा** पुं. (फा.) 1. किसी वस्तु अथवा बंडल को कसने का यंत्र 2. कागज काटने या दबाने का यंत्र 3. मध्य युग में अपराधियों को यातना देने वाला लकड़ी का साँचा, जिसमें अपराधी के अंग कसे जाते थे।

**शिकंजी** स्त्री. (फा.) दे. शिकंजवीन।

**शिकंबा** पुं. (फा.) 1. अन्न पचाने वाला पेट के भीतर का भाग 2. सालन बनाने योग्य 3. भेड़, बकरी के सम्पूर्ण पेट के अंग, पेटा, शिकम।

**शिक** स्त्री. (अर.) 1. आधा भाग, खंड, हिस्सा 2. बैल आदि भारवाहक पशुओं पर लदे बोझ के एक तरफ का भाग 3. तहसीलदार की जिम्मेदारी में आने वाला शहर या गाँव का प्रभाग।

**शिकन** स्त्री. (फा.) दे. शिकंज।

**शिकनरोधी** वि. (फा.+तत्.) सिलवट अथवा सिकुड़न के प्रभाव में न आने वाला (वस्त्र अथवा कागज)।

**शिकम** पुं. (फा.) दे. शिकंबा।

**शिकमी** वि. (फा.) 1. उदर का, पेट का, जन्म का हिस्सेदार, शरीक 2. किसी और से जमीन उधार लेकर जोतने वाला (शिकमी किसान)।

**शिकरम** पुं. (देश.) एक प्रकार का ताँगा, एक प्रकार की घोड़ा-गाड़ी।

**शिकरा** पुं. (फा.) सलेटी रंग का शिकारी पक्षी, शिकार कराने हेतु पाला जाने वाला पक्षी, रंग-रूप में पपीहे जैसा, आँखें और पैर पीले रंग के, चोंच छोटी और तीखी।